श्री सूर्यचंद्रकळा स्तोत्रं

श्री सूर्यचंद्रकळा स्तोत्रं

दिवानाथ निशानाथौ तौ च्छायारोहिणिप्रियौ |
कश्यपाऽत्रिसमुद्भूतौ सूर्यचंद्रौ गतिर्मम || 1 ||

ग्रहराजौ पुष्पवंतौ सिंहकर्कटकाधिपौ |
अत्युष्णानुष्णकिरणौ सूर्यचंद्रौ गतिर्मम || 2 ||

एकचक्रत्रिचक्राढ्यरथौ लोकैकसाक्षिणौ |
लसत्पद्मगदाहस्तौ सूर्यचंद्रौ गतिर्मम || 3 ||

द्वादशात्मा सुधात्मानौ दिवाकरनिशाकरौ |
सप्तमी दशमी जातौ सूर्यचंद्रौ गतिर्मम || 4 ||

अदित्याख्यानसूयाख्य देवीगर्भसमुद्भवौ |
आरोग्याह्लादकर्तारौ सूर्यचंद्रौ गतिर्मम || 5 ||

महात्मानौ चक्रवाकचकोरप्रीतिकारकौ |
सहस्रषोडशकळौ सूर्यचंद्रौ गतिर्मम || 6 ||

कळिंगयमुनाधीशौ कमलोत्पलबांधवौ |
माणिक्यमुक्तासुप्रीतौ सूर्यचंद्रौ गतिर्मम || 7 ||

शनितारेयजनकौ वार्धिशोषकतोषकौ |
वृष्टिसस्याकरकरौ सूर्यचंद्रौ गतिर्मम || 8 ||

विष्णुनेत्रात्मकौ रुद्ररथचक्रात्मकावुभौ |
रामकृष्णान्वयकरौ सूर्यचंद्रौ गतिर्मम || 9 ||

हरिसप्ताश्वधवळौ दशाश्वौ पापहारिणौ |
सिद्धांतव्याकृतिकरौ सूर्यचंद्रौ गतिर्मम || 10 ||

सुवर्तुलचतुष्कोणमंडलाढ्यौ तमोपहौ |
गोधूमतंडुलप्रीतौ सूर्यचंद्रौ गतिर्मम || 11 ||

लोकेशावातपज्ज्योत्स्नाशालिनौ राहुसूचकौ |
मंदेहदेवजेतारौ सूर्यचंद्रौ गतिर्मम || 12 ||

अरुणाख्यसुबंध्वाख्यसारथी व्योमचारिणौ |
महाध्वरप्रकर्तारौ सूर्यचंद्रौ गतिर्मम || 13 ||

अर्कपालाशसुप्रीतौ प्रभाकरसुधाकरौ |
यमुनानर्मदातारौ सूर्यचंद्रौ गतिर्मम || 14 ||

पाषाणज्वालविद्रावकारिणौ कालसूचकौ |
विशाखाकृत्तिकाजातौ सूर्यचंद्रौ गतिर्मम || 15 ||

उपेंद्रलक्ष्मीसहजौ ग्रहनक्षत्रनायकौ |
क्षत्रद्विजमहाराजौ सूर्यचंद्रौ गतिर्मम || 16 ||

श्रीचामुंडाकृपापात्र श्रीकृष्णेंद्रविनिर्मितं |
विलसत्पुष्पवत् स्तोत्र कळाश्लोकविराजितं || 17 ||

इदं पापहरं स्तोत्रं सदा भक्त्या पठंति ये |
ते लभंते पुत्रपौत्राद्यायुरारोग्यसंपदः || 18 ||

इति श्री सूर्यचंद्रकळा स्तोत्रं |